

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

RAJYA SABHA
STARRED QUESTION NO.100
TO BE ANSWERED ON 10.02.2022

BLUE DOT FRAMEWORK

*100. SHRI SUJEET KUMAR:

Will the Minister of **External Affairs** be pleased to state:

- (a) whether there has been any formal invitation to India to join the Blue Dot Framework by either of the other three members, and the subsequent decision of Government;
- (b) if not, whether it intends to be a participant in the same for development of infrastructure in the Indo-Pacific region; and
- (c) the reasons for which India doesn't want to be a part of the 'Blue Dot Framework'?

ANSWER
THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS
[DR. SUBRAHMANYAM JAISHANKAR]

- (a) to (c) The statement is laid on the table of the House.

STATEMENT REFERRED TO IN REPLY TO PARTS (a) TO (c) OF THE RAJYA SABHA STARRED QUESTION NO *100 REGARDING “BLUE DOT NETWORK” TO BE ANSWERED ON 10.02.2022.

(a) to (c) The Blue Dot Network initiative was jointly launched by the United States, Japan and Australia in 2019 to promote principles of sustainable infrastructure development around the world. Apart from the founding members, some of the countries that have joined the Blue Dot Network are, Austria, Bulgaria, Croatia, the Czech Republic, Estonia, Hungary, Latvia, Lithuania, Poland, Romania, Slovakia and Slovenia.

The Initiative seeks to bring government, private sector and other stakeholders together to promote quality standards for global infrastructure development. A Blue Dot Network certification is proposed for projects that are market-driven, transparent, Paris Climate Agreement-aligned, meet financial, social, and environmental sustainability standards with a focus on local skills transfer, local capital markets, and local capacity building.

The Initiative has been discussed at bilateral dialogues and meetings with the US side. The India-U.S. Joint Statement issued in February 2020 during the visit of the then US President Donald Trump, the Joint Statement issued in October 2020 following the 3rd India-U.S. 2+2 Ministerial Dialogue, the India-U.S. Joint Statement issued in Washington in September 2021, following the meeting of the Prime Minister with President Joseph R. Biden Jr. and the Joint Statement from Quad Leaders Summit in September 2021, refer to our continued engagement with the Blue Dot Network.

India has separately endorsed the G20 Principles for Quality Infrastructure Investment (QII), a set of voluntary, non-binding principles designed to reflect the G20 grouping’s common aspiration for quality infrastructure investment.

At the G7 Summit in Cornwall in June 2021, the Build Back Better World initiative was endorsed by the G7 leaders. Thereafter, the Blue Dot Network was co-opted into the Build Back Better World initiative.

During the last COP 26 meeting in November 2021 in Glasgow, the Prime Minister participated in an event on Build Back Better World (B3W) hosted by US President Joseph R. Biden Jr. and underlined the need to ensure the following four aspects in infrastructure creation:

- a. Climate resilience
- b. Incorporating traditional knowledge

- c. Prioritizing poor & vulnerable
- d. Sustainable & transparent finance that respects the sovereignty & territorial integrity of all countries

India has separately undertaken a diverse range of infrastructure and connectivity projects in several countries in the Indo-Pacific region through our long-standing development partnership programmes, which are demand driven.

भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *100

दिनांक 10.02.2022 को उत्तर देने के लिए

ब्लू डॉट फ्रेमवर्क

***100.** श्री सुजीत कुमार:

क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या ब्लू डॉट फ्रेमवर्क में शामिल होने के लिए भारत को अन्य तीन सदस्यों में से किसी से भी कोई औपचारिक निमंत्रण प्राप्त हुआ है, और सरकार ने उस पर क्या निर्णय लिया है;
- (ख) यदि नहीं, तो क्या वह भारत-प्रशांत क्षेत्र में अवसरचनना के विकास के लिए उक्त फ्रेमवर्क में भागीदार बनने की मंशा रखती है; और
- (ग) भारत किन कारणों से 'ब्लू डॉट फ्रेमवर्क' का हिस्सा नहीं बनना चाहता है?

उत्तर

विदेश मंत्री

[श्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर]

- (क) से (ग) विवरण सभापटल पर रख दिया गया है।

"ब्लू डॉट नेटवर्क" के संबंध में 10.02.2022 को उत्तरार्थ राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या *100 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) से (ग) ब्लू डॉट नेटवर्क पहल 2019 में संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया द्वारा संयुक्त रूप से पूरे विश्व में स्थायी बुनियादी ढांचे के विकास के सिद्धांतों को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई थी। संस्थापक सदस्यों के अलावा, ब्लू डॉट नेटवर्क में शामिल होने वाले कुछ अन्य देश-ऑस्ट्रिया, बुल्गारिया, क्रोएशिया, चेक गणराज्य, एस्टोनिया, हंगरी, लातविया, लिथुआनिया, पोलैंड, रोमानिया, स्लोवाकिया और स्लोवेनिया हैं।

यह पहल वैश्विक अवसंरचना के विकास के लिए गुणवत्ता मानकों को बढ़ावा देने हेतु सरकार, निजी क्षेत्र और अन्य हितधारकों को एक साथ लाने का प्रयास है। ब्लू डॉट नेटवर्क अधिप्रमाणन उन परियोजनाओं के लिए प्रस्तावित है जो बाजार-आधारित, पारदर्शी, पेरिस जलवायु करार के अनुकूल हैं, स्थानीय कौशल हस्तांतरण, स्थानीय पूंजी बाजार और स्थानीय क्षमता निर्माण पर केंद्रित वित्तीय, सामाजिक और पर्यावरणीय धारणीयता मानकों को पूरा करती हैं।

अमेरिकी पक्ष के साथ द्विपक्षीय वार्ताओं और बैठकों में इस पहल पर चर्चा की गई है। तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की यात्रा के दौरान फरवरी 2020 में जारी भारत-अमेरिका संयुक्त वक्तव्य, तीसरे भारत-अमेरिका 2+2 मंत्रिस्तरीय संवाद के बाद अक्टूबर 2020 में जारी संयुक्त वक्तव्य, राष्ट्रपति जोसेफ आर. बाइडेन जूनियर के साथ प्रधानमंत्री की मुलाकात के बाद सितंबर 2021 में वाशिंगटन में जारी भारत-अमेरिका संयुक्त वक्तव्य, और सितंबर 2021 में क्राड नेताओं के शिखर सम्मेलन में जारी संयुक्त वक्तव्य से ब्लू डॉट नेटवर्क के साथ हमारे निरंतर आदान-प्रदान का उल्लेख होता है।

भारत ने गुणवत्ता अवसंरचना निवेश (क्यूआईआई) के लिए जी20 सिद्धांतों का अलग से समर्थन किया है, जो गुणवत्तापरक अवसंरचना में निवेश के लिए जी20 देशों की साझा आकांक्षा को प्रदर्शित करने के लिए तैयार किए गए स्वैच्छिक, गैर-बाध्यकारी सिद्धांत हैं।

जून 2021 में कॉर्नवाल में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन में, जी7 नेताओं ने बिल्ड बैक बेटर वर्ल्ड पहल का समर्थन किया था। इसके बाद, ब्लू डॉट नेटवर्क को बिल्ड बैक बेटर वर्ल्ड पहल के साथ सहयोजित किया गया।

प्रधानमंत्री ने ग्लासगो में नवंबर 2021 में पिछली सीओपी 26 बैठक के दौरान, अमेरिकी राष्ट्रपति जोसेफ आर. बाइडेन जूनियर की अध्यक्षता में आयोजित बिल्ड बैक बेटर वर्ल्ड (बी3 डब्ल्यू) संबंधी एक कार्यक्रम में भाग लिया और अवसंरचना निर्माण में निम्नलिखित चार पहलुओं को सुनिश्चित करने की आवश्यकता का उल्लेख किया :

- क. जलवायु अनुकूलन
- ख. पारंपरिक ज्ञान को समाहित करना
- ग. गरीब एवं कमजोर व्यक्तियों को प्राथमिकता देना
- घ. स्थायी एवं पारदर्शी वित्तपोषण, जो सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के अनुरूप हो

भारत ने हमारे दीर्घकालिक विकास साझेदारी कार्यक्रमों के माध्यम से हिंद-प्रशांत क्षेत्र के कई देशों में
अलग-अलग विविध प्रकार की मांग आधारित अवसंरचना और कनेक्टिविटी परियोजनाएं शुरू की हैं।

SHRI SUJEET KUMAR: Sir, as per the reply by the hon. Minister to my query, India is engaging with the Blue Dot Network. Sir, we have serious concerns with the BRI initiative of China, particularly with CPEC. So, my query to the hon. Minister is: Will this Blue Dot Network be seen as a counter to BRI? And, are we looking at engaging with other Indo Pacific countries to counter China on BRI?

SHRI V. MURALEEDHARAN: Sir, during the last seven years of Prime Minister Narendra Modi ji's leadership, our foreign policy has received a greater attention and focus. Today, it is pro-active and not reactive. In fact, we do constantly and effectively engage with foreign Governments and diaspora. In the question that has been raised by the hon. Member, he wants to know whether this will be considered as a counter to the BRI. In fact, the Blue Dot Network was initiated earlier and later on it was co-opted into the Build Back Better World initiative, which has been endorsed by the G-7 and G-20 nations. Under this, India has been trying to take this ahead. On India's position on the Border Road Initiative of China, we have not been reactive on that. ..(Interruptions).. I am coming to the answer, don't worry. Our position on BRI is very clear. I don't want to reiterate it. We have conveyed our position clearly.

श्री उपसभापति : माननीय मंत्री जी, Question Hour is over.